श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय
SHYAMA PRASAD MUKHERJI COLLEGE (For Women)
दिल्ली विश्वविद्यालय /(UNIVERSITY OF DELHI)
पंजाबी बाग (पश्चिम), नई दिल्ली-110026 /PUNJABI BAGH (WEST), NEW DELHI – 110 026

दुरभाष /Phone :25224499
फैक्स/Fax :25221672
ईमेल/E-mail:spmcollegedu@gmail.com
principal@spm.du.ac.in
वेब साइट/Website:http://spm.du.ac.in

MAY, 2018

Call for Chapters for Edited Book Volume

In our endeavour to promote academic excellence by enrichment of our knowledge through research and innovation, in continuation of the Golden Jubilee celebrations , the college is immensely pleased to bring out book volumes on Literature, History, Political Science, Food Technology and other subjects. In pursuit of fulfilment of the objective , all the research scholars , professors , subject experts are requested to contribute in the form of the chapters with abstract and requested to send according as per the following emails.

Hindi :	spmhnbookproject@gmail.com
Political Sc.:	spmpsbookproject@gmail.com
History :	spmhsbookproject@gmail..com
Food Technology :	spmftbookproject@gmail.com
Mahatma Gandhi :	spmmgbookproject@gmail.com

All the authors are requested to provide full details of correspondence : Full name , designation, postal address, phone no. and email address. It is advised to check for plagiarism before submitting the chapter.

Dr. Sadhna Sharma
Principal-Acting

साहित्य और समकालीन सरोकार

हमारा देश लंबे समय से तमाम चुनौतियों- गरीबी, भ्रष्टाचार,बेरोज़गारी,साम्प्रदायिकता,राजनीती के अपराधीकरण,समाज के एक बड़े वर्ग (स्त्री,दलित,आदिवासी,ट्रांसजेंडर,बच्चे) के शोषण से जूझ रहा है. दूसरी तरफ आम आदमी से जुड़े मुद्दे जैसे बेहतर आधारभूत सुविधाएँ,सामाजिक न्याय,सबके लिए शिक्षा और रोज़गार,भ्रष्टाचार से मुक्ति,शासन-प्रशासन में पारदर्शिता,पर्यावरण संरक्षण आदि की मुहीम भी जोर शोर से छिड़ी हुई है.यह एक ऐसा दौर है जहाँ कभी लगता है कि चीज़े बड़ी तेज़ी से बदल रही हैं और कभी लगता है कि बदलाव और सुधार की कोई सम्भावना ही शायद शेष नहीं रही. एक ऐसा समय जो आम आदमी के विरुद्ध जा रहा है,जब आदर्शों,नेताओं,मसीहाओं से मोहभंग हो जाये और सार्थक संवाद की गुंजाइश न नज़र आये,तब साहित्य और साहित्यकार का दायित्व हो जाता है संवादहीनता को तोड़ने का.

जीवन के माध्यम से साहित्य और साहित्य के माध्यम से जीवन को खोजने- समझने, समाज को झकझोरने वाले सवालों पर बहसों और विमर्शों को समेटने ,उनके अनेक पक्षों से दो- दो हाथ करने का जरिया है यह पुस्तक.

अपने समय और समाज से संलग्नता और सरोकार ही किसी संस्था को उसकी सार्थकता और पहचान प्रदान करते हैं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय कि तरफ से अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में यह पुस्तक परियोजना इसी दिशा में एक छोटा सा प्रयास है.

इच्छुक लेखकगण अपने आलेख हेतु निम्नांकित उपविषयों में से चुनाव कर सकते हैं-

१. हाशिये का समाज और साहित्य
२. बदलती युवा मानसिकता और सिनेमा
३. समकालीन साहित्य में स्त्री
४. बदलता राजनीतिक परिदृश्य और साहित्य
५. सोशल मीडिया
६. पारिवारिक संबंधों का विघटन और साहित्य
७. पर्यावरणीय संकट और आधुनिक जीवन-शैली
८. साम्प्रदायिकता, आतंक और साहित्य

साहित्य और समकालीनता से सम्बंधित किसी अन्य विषय पर भी यदि लेखक लिखना चाहें तो उनका स्वागत है.

<u>आलेख सार</u>

सार संक्षिप्त एवं कसा हुआ होना चाहिए. विचारों के अनावश्यक दोहराव से बचें तथा 300 की शब्द सीमा का ध्यान रखें.सभी सार और शोधालेख निम्नांकित ई- मेल पर भेजें- spmhnbookproject@gmail.com

शोधालेख

सन्दर्भों तथा पाद टिप्पणियों सहित शोधालेख की शब्द सीमा 8000 से अधिक न हो. समस्त लेखकगण से निवेदन है कि यही आलेख किसी अन्य पत्र/ पत्रिका में प्रकाशन हेतु न दें तथा एपीए प्रारूप के अनुरूप ही कार्य करें.

जमा करने की अंतिम तिथियाँ :

सार : 25 मई 2018

आलेख : 15 जून 2018

टिप्पणी : समस्त लेखक/ लेखिकाओं से निवेदन है कि भविष्य में संपर्क/ पत्राचार हेतु अपना डाक पता, दूरभाष नंबर तथा ई-मेल पता अवश्य दें.